(b) The scheme comprises the construction of breakwaters and certain river training works.

(c) No.

बनारस हिन्दु विश्वविद्यालय के पुस्तकालय से पुस्तकें गुम होना

3016. **श्री गंगा चरण दीक्षित :** क्या शिक्षा और समाज कल्याण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या बनारस हिन्दु विश्वविद्यालय के पुस्तकालय से अनेक पुस्तके गुम हो गई है;

(ख) क्या सरकार को इस सबन्ध मे विश्वविद्यालय के अधिकारियो से कोई रिपोर्ट प्राप्त हुई है और यदि हां, तो रिपोर्ट की मुख्य बातें क्या है; और

(ग) क्या इसके लिए जिम्मेदार अधिकारियो के विरूद्ध कोई कार्यवाही की गई है अथवा की जा रही है ?

शिक्षा, समाज कल्याण और संस्कृति मंत्री (श्री० एस० नुरुल हसन) : (क) से (ग). बनारस विश्वविद्यालय द्वारा दी गई सूचना के अनुसार 1972 मे पुस्तकालय के कुछ अनुभागों की जांच परख की गई थी जिसमें विश्वविद्यालय ने पाया कि कुछ पुस्तकें खो गई हैं जो कि सामान्य औसत से बहुत ज्यादा हैं। विश्वविद्यालय का अगले ग्रीष्मकालीन अवकाश मे सारे पुस्तकालय के स्टाक की व्यापक जाच करने का प्रस्ताव है। यह प्रस्तावित जाँच पड़ताल पूरी हो जाने के बाद ही सही नुकसान का पता चलेगा।

मध्य प्रदेश द्वारा जर्मन लोकतंत्रात्मक गणराज्य के ट्रैक्टरों की मांग

3017. **श्री गंगा चरण दीक्षित :** क्या कृषि मन्त्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) गत दो वर्षों मे मध्य प्रदेश को जर्मन लोकतंत्रात्मक गणराज्य से आयात किये गये कितने ट्रैक्टरों की सप्लाई की गई,

(ख) क्या इस अवधि के बाद भी मध्य प्रदेश सरकार ने केन्द्रीय सरकार से और अधिक ट्रैक्टरो की मांग की है, और

(ग) यदि हां, तो इस बारे मे सरकार की क्या प्रतिक्रिया है ?

कृषि मन्त्रालय में राज्य मन्त्री (श्री अण्णासाहिब पी० शिन्दे) : (क). वर्ष 1969-70 की अवधि मे पूर्वी जर्मनी से 1998 आर.एस.–09 ट्रैक्टर आयात किये गये थे। मध्य प्रदेश को आर.एस.–09 ट्रैक्टरो का कोई आवटन नही किया गया।

(ख) मध्य प्रदेश सरकार से आर.एस.–09 ट्रैक्टरों की और आपूर्ति के सम्बन्ध में कोई अनुरोध प्राप्त नहीं हुआ है।

(ग) प्रश्न ही नही होता।

भारत में पुस्तकों के प्रकाशक और पाठक

3018. **श्री जगन्नाथ मिश्र :** क्या शिक्षा और समाज कल्याण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या अन्य देशों की तुलना में भारत में पुस्तकों के प्रकाशक और पाठक कम हैं ;

(ख) यदि हां, तो इसके क्या कारण हैं; और

(ग) स्थिति पर काबू पाने के लिए क्या उपाय किये जा रहे हैं ?

शिक्षा, समाज कल्याण और संस्कृति मंत्री (प्रो० एस० नुरुल हसन): (क) से (ग). विभिन्न देशों मे प्रकाशको और पाठको की संख्या से सम्बन्धित किसी प्रकार के आकडो के अभाव मे कोई तुलनात्मक अध्ययन कर सकना कठिन है।

2. तथापि जो कुछ मालूम हुआ है वह यह कि भारत, एशिया और यूरोप प्रति दस लाख की जन सख्या के लिये प्रति वर्ष क्रमश. 22 पुस्तके, 32 पुस्तके और 418 पुस्तके तैयार करते है। किन्तु यह मान लिया गया है कि पुस्तक उत्पादन मे एशिया मे भारत का दूसरा (इसमे चीन गणतन्त्र के आकडे नही लिये गय है। क्योकि वे उपलब्ध नही है), और विश्व मे उसका आठवा स्थान है। जैसा कि ऊपर बताया गया है कि प्रति व्यक्ति पुस्तको का निर्माण यह व्यक्त करता है कि पुस्तक निमार्ण के कार्यकलापो मे बडे पेमाने पर विस्तार की गुंजाइश है। पुस्तको के प्रसार हेतु और अध्ययन की आदते डालने के लिये लोकप्रिय पुस्तको के प्रकाशन, सस्ते पेपर बेक संस्करणो के उत्पादन और स्कूल व कालेज स्तरो आदि की सहायता प्राप्त पाठ्य-पुस्तके इत्यादि जैसे विभिन्न उपाय किये गये है। पुस्तक निर्माण कार्य का विस्तार देश के आम औद्योगिक विस्तार से भी सम्बन्धित है।

Central Subsidy to Cashewnut Producing States

3019. **SHRI SAMAR GUHA :** Will the Minister of AGRICULTURE be pleased to state :

(a) whether the Central Government are giving subsidy to different Cashew nut producing States for its increased production so that its exports may earn more foreign exchange;

(b) if so, whether Government will extend similar financial assistance to Cashew nut cultivators in the Contai Subdivision of Midnapur District of West Bengal, and

(c) if so, the steps taken in this regard ?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF AGRICULTURE (SHRI ANNASAHEB P SHINDE) (a) Yes, Sir, Government of India are giving assistance to the States on the following items.

(i) A subsidy of 200 p use on each Cashew air layer

(ii) A subsidy of Rs 25/- per acre on plot protection chemicals.

(iii) A subsidy of Rs 300/- per plot of 2 acres each for demonstration plots

(iv) Expenditure on staff under the schemes on production of cashew air layers and adoption of plant protection measures as also for the schemes on Marketing Surveys.

(b) and (c) During 1971-72 the Government of India have provided assistance to the West Bengal Government for organising demonstrations in areas including Contai Sub-division for educating the farmers in the improved methods of cultivation. The State Government have not, however, claimed assistance under other items. The assistance will be extended as and when the State Government submits a proper scheme.